



## कौशाम्बी

# दारानगर में श्री राम कथा में रामजन्म कथा सुन भाव विभोर हुए श्रोता

# जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक संपन्न

● ज्यादा से ज्यादा आवेदनों को निस्तारित करते हुए लाभार्थियों को ऋण मुहैया कराये जाने के दिए निर्देश

### लोकमित्र व्यूहों

**कौशाम्बी।** जिलाधिकारी मध्यसून हुल्ली द्वारा उदयन सभागार में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक की गई। जिलाधिकारी ने उद्योगियों की समयांगों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिये।

बैठक में उद्योग उद्योग ने बताया कि निवेश प्रियं पोर्टेट पर वितरण एक माह में कुल 1682 प्रकरण प्राप्त हुए हैं, जिसमें से 20 प्रकरण विषय विभागों से प्राप्त लम्बित हैं, जिसमें से श्रम विभाग के-02, कृषि विभाग के-07, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के-02, अमिनायन विभाग के-01, 100 प्राप्त वावर कापरिशन लिंगो के-06, लाइजेंस कर विभाग के-01 एवं बाटमारा विभाग के-01 प्रकरण समिलित हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को अवेदनों को अवधारणा करने के अन्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिये।





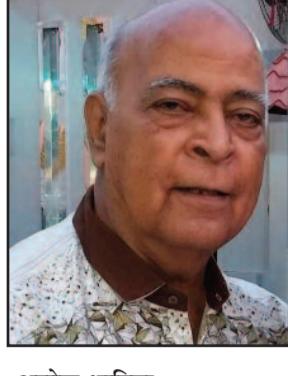


# सम्पादकीय

# सम्पादकीय

## एकता का महायज्ञ संपन्न

प्रधानमंत्री नरन्द्र मोदी ने प्रयागराज में सपन्त्र हुए महाकुंभ को युग परिवर्तन की आहट बताया और विकसित भारत का संदेश बताया। उन्होंने महाकुंभ समागम की तुलना गुलामी की मानसिकता की बेड़ियों को तोड़कर आजादी से संस ले रहे राष्ट्र की नवजागृत चेतना से की। समापन के एक दिन बाद मोदी ने ब्लाग में लिखा, महाकुंभ सपन्त्र हो गया। एकता का महायज्ञ सपन्त्र हो गया। भारत अब नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। यह युग परिवर्तन का संकेत है। जो भारत के लिए नया भविष्य लिखेगा। उपर सरकार के अनुसार 13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ में 65 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। उधर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर निशाना लगाते हुए कहा, दुनिया में कहीं भी इतना विशाल समागम नहीं हुआ। स्वच्छता व स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा लूटपाटा, अपहरण, छेड़छाड़ व दुष्कर्म की ऐसी कोई घटना नहीं हुई, जो विरोधियों को दूरबीन या माइक्रोस्कोप से देखने को मिलती। इसमें कोई सदैह नहीं कि सरकार के अनुमान से कहीं अधिक संख्या में लोग प्रयागराज पहुंचे। जितना जन सैलाब था, उसके अनुपात में असुविधाओं या समस्याओं का खड़ा न होना, अपने आपमें बड़ा आश्र्य है। हालांकि भगदड़ की मौतों के आंकड़े छिपाने और अपनों की तलाश में भटकने वालों की जानते-बूझते अनदेखी की गई। सीमित साधनों के चलते स्थानीय नागरिकों को रोजाना की चीजों व नियमित कार्य/पढ़ाई व नौकरीपेश लोगों को हुई दिक्कतों की किसी ने फिक्र ही नहीं की। हालांकि इस विशाल आयोजन में उत्साहपूर्वक शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने कई-कई किलोमीटर पैदल चलने, ट्रैफिक जाम में फंसे रहने और पीने के पानी व भोजन को लेकर हुई अव्यवस्था पर भरपूर सहयोगात्मक भाव बनाये रखा। मोदी ने उसे समझा और उस पर माफी मांग कर अपना बड़प्पन भी दिखाया, जबकि योगी की बातों से ऐसा नजर नहीं आता, परंतु सफाईकर्मियों को प्रात्साहन राशि देने व उनकी तारीफ करके उन्होंने परंपरा से हटकर अपना अंदाज दिखाया। आस्था, विश्वास व उत्साह भेरे इस आयोजन के लिए सभी की सराहना की जानी चाहिए।



बॉक्स ऑफिस व

फिल्म छावा की रिलीजिंग के बाद से देश भर में मुगल बादशाह औरंगजेब का विरोध हो रहा है। इसी बीच समाजवादी पार्टी, सपाहद के नेता अब्दुल आजमी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। औरंगजेब की तारीफें के पुल बांधकर अबू बुरी तरह से फंस गए हैं महाराष्ट्र में अबू के खिलाफ थ् दज कर दी गई है। सोशल मीडिया पर भी कई लोग अबू के बयान पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। मुबई के मानरखुंब शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक आजमी ने दावा किया हमारा जीडीपी विश्व सकल घेरेलू उत्पाद का 24 प्रतिशत था और भारत को; औरंगजेब के समयद्वारा सेने की चिड़िया कहा जाता था। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अब आजमी के बयान इस बयान के बावजूद काफी ज्यादा भड़क गए थे। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज के जिसने 40 दिनों तक बंधक बनाकर माराए वह उत्तम प्रशासक कैसे हो सकता है। जिसने अपनी मां औनंद बहनों की इज्जत लूटीए वह औरंगजेब अबू आजमी को कैसे आपारा लग सकता है। एकनाथ शिंदे के अलावा शिवसेना यूनिटी नेता आदित्य ठाकरे ने अबू आजमी के इस बयान पर नाराजगी जाहिर की है।

दरअसलए अबू आजमी ने बालाकुड़ फिल्म छावा के संदर्भ में कहा कि सारा गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए और वह करूर नेता नहीं था। सपा के विधायक ने कहा कि छप्रति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच लड़ाई धार्मिक नहीं बल्कि सत्ता के लिए थी। उन्होंने कहा कि छप्रति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच लड़ाई सत्ता के लिए थी। अगर कोई कहता है कि यह लड़ाई धर्म के लिए थी तो मैं इस पर विश्वास नहीं करता। उस समय के राजा सत्ता और संपत्ति के लिए संघर्ष करते थे। लेकिन यह धार्मिक नहीं था। उसने ;औरंगजेब नेढ़ 52 साल तक शासन कियाएँ और अगर वह वाकई हिंदुओं को मुसलमान बना रहा था । तो कल्पना कीजिए कि कितने हिंदुओं ने धर्म परिवर्तन किया होगा। उन्होंने कहा कि अगर औरंगजेब रहमतुल्लह ने मंदिर तोड़े थे तो उसने मस्जिदें भी तोड़ी थीं। अगर वह हिंदुओं के खिलाफ होताएँ तो 34: हिंदू उसके साथ नहीं होते थे और उसके सलाहकार हिंदू नहीं होते। इसे हिंदू मुस्लिम एंगल देने की कोई जरूरत नहीं है। यह देश सर्विधान से चलेगाएँ और मैंने हिंदू भाइयों के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा है। इस बीचए शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सदस्यों ने मुंबई और टाणे शहर में आजमी के खिलाफ दो शिकायतें दर्ज कराईं। इसके बाद टाणे में एक प्राथमिकी दर्ज की गई। महाराष्ट्र में यह पहला मौका नहीं है जब औरंगजेब का जिन्न कब्र से निकला हो। कुछ दिनों से औरंगजेब के नाम का भूत कुछ युवाओं के सिर पर चढ़कर बोल रहा है। ये युवा औरंगजेब का स्टेट्स अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगा रहे हैं। ए जिसकी वजह से पुलिस को खासा परेशानी झेलनी पड़ रही है। पुलिस से



कुछ महीनों से ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जहां पर लोग औरंगजेब द्वारा स्टेट्स अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगा रहे हैं। हाल ही में मुंबई स्टेट मीरा.भायंदर इलाके से एक मामला सामने आया जहां पर एक शख्स ने अपने इंस्टाग्राम पर टीका सुलतान और औरंगजेब का फोटो इस्तेमाल कर एक बीड़ियों रील बनाया और उसे अपलोड की जिसमें उसकी कहाँ की श्कोर्स यह मत समझना चाहिए हम खत्म हो गए हम पिछा आवाही दौर लेकर यह बीड़ियों जैसे वायरल हुआ उसपर विश्व परिषद से जुड़े एक कार्यकर्ता ने नज़र पड़ी ए जिसके बाद उसने इस बात की जानकारी दूसरे लोगों को और पिछे इस मामले की वजह शहर का लॉ एंड ऑर्डर खारब न होने के बावजूद इस परिषद लोगों ने पुलिस का रुख किया भायंदर पुलिस स्टेशन के इस मामले के जांच अधिकारी अनित करे बताया कि 23 अगस्त के दिन विश्व हिंदू परिषद के ज़िला मंत्री नानगंगन कांबले ने शिकायत दी कीए जिसके उल्लंघन बताया कि एक साहिल नानगंगन का लड़का एहे जिसने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर औरंगजेब और टीपू सुलतान इन दोनों का ए

जाउना जाना तो क्या है। उसे शेयर किया है। करो ने आगे बताया एशिसके बाद हमने उसे देखकर वेरिफ़िड किया और सीनियर अधिकारियों से बातचीत कर हमने थूं दर्ज की है यह थूं प्लॉ की धारा 153; दृढ़ और 34 के तहत दर्ज किया है थूं दर्ज कर हमने साहिल का पता लगाया और उसे भायंदंद इलाके से गिरफ्तार कियाएँ। इस मामले दानिश नाम के दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है। आपको बता दें की बीते कुछ महीनों में ऐसे ही कुछ मामले महाराष्ट्र के कोल्हापुरपुराणे अहमदनगर थुं और नासिक से भी सामने आये हैं। इसी साल महाराष्ट्र के अहमदनगर के संगमनेर तालुका में औरंगजेब की तारीफ़ में पोस्टर लगाने की घटना सामने आई थी वहाँ विरोध प्रदर्शन किया गया था। ये पहली घटना थीए जिसके बाद प्रदर्शन के बावजूद अज्ञात लोगों की ओर से पथराव हुआ। जिसमें दो लोग घायल हो गए थे और कई गाड़ियों को भी नुकसान हुआ था। पोस्टर के बाद तुरंत दूसरे दिन यानी की 7 जून के दिन कुछ लोगों ने कोल्हापुर में औरंगजेब और ठीपू सुलतान का स्टेट्स अपने सोशल मीडिया पर रखा था। ये दूसरी घटना थीए जिसके बाद आज कुछ हिंदू संगठन इसके विरोध प्रदर्शन के लिए

इनमुँहु युू व जार चारू रास  
मीडिया पर वायरल करने वाले हैं।  
खिलाफ कार्बावई की मांग को लेकर  
श्कोलहापुर बंदश का आयोजन किया गया।  
इसी बीच प्रदर्शनकरियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति पैदा हुई थी।  
इसके बाद तीसरी घटना महाराष्ट्र के बिंबिड के अष्टि इलाके में सामने आई।  
जून के दिन एक 14 साल के लड़का ने अपने वाट्सएप पर औरंगजेब व्हाट्सएप स्टेटस रखा और उसने उसके बाद औरंगजेब की तारीफ की थी। यह बात सामने आते ही इस मामले में एक शिकायत दर्ज कराई गई। बाद में एक कुछ स्थानीय हिंदुत्ववादी संगठनों ने इस घटना के विरोध में बंदश विरोधी आवाहन किया था। और इस चौथी घटना में तो एक शख्स ने औरंगजेब के राज्याभिषेक करने की बात सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। 10 जून के दिन महाराष्ट्र के छत्तपति संभाजीनगर का यह मामला है जिसमें एक शख्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर कहा था कि शऔरंगजेब विरोधी राज्याभिषेक समारोह मनाओश पोस्ट किया गया था कि 364 साल बाद; औरंगजेब की दूर यजंती को बाहर धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। इस मामले के सामने आने के बाद अताऊर रहमान पटेल नाम के शख्सों के खिलाफ सिङ्को पुलिस में सूची दर्ता किया गया।

किया था। ५वा मामला नवा मुबई के वाशी इलाके से आया ए यहां १० जून के दिन एक मामला सामने आया जिसमें एक शख्स बी औरंगजेब की तस्वीर अपने सोशल मीडिया प्रोफ़ाइल पर लगा रखी थीए इसे देखने के बाद अमरजीत सुरें नाम के व्यक्ति की इसकी शिकायत वाशी पुलिस को की और पिर पुलिस ने मोहम्मद अली मोहम्मद हुसैन के ख़लाफ़ मामला दर्ज किया था। छठवीं मामला महाराष्ट्र के कोल्हापुर के कागल इलाके में हुआए यहां १२ जून के दिन एक मामला सामने आया जिसमें फटाके की दुकान चलाने वाले फरूख यासीन असलकर नाम के शख्स ने एटीपू सुल्तान का पोस्ट अपने सोशल मीडिया पर किया जिसके बाद वहाँ हिंदू संघटना ने बंद का आवाहन किया पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। ७वां मामला १२ जून के दिन महाराष्ट्र के अहमदनगर के पारनेरे इलाके में हुआए यहां एक २२ साल के लड़के ने सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट किया जिसके बाद वहाँ बंद का आयोजन किया गया।

हुआए यहां एक नाबालिंग बीजापुर के जनरल अफम्ल खान की तस्वीर को अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया जिसके बाद उसके ख़ालिफ़ पुलिस को मामला दर्ज करना पड़ा। नौवाँ मामला लातूर के किल्लरी गाँव में हुआए यहां 15 जून के दिन एक शख्स ने औरंगजेब का पोस्ट सोशल मीडिया पर डाल दिया जिसके बाद हिंदू संघटन के विरोध प्रदर्शन किया और कई दुकानों को बंद करवाया गया था। देखने वाली बात यह होमी कि ताजा मामला कहां जाकर रुकता है। वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एलेखक ए समीक्षक एवं टिप्पणीकार

10 of 10

संभवित प्रभावों का आकलन करना सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से हस्तक्षेप अविस्तित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों। मध्य प्रदेश और राजस्थान बड़ी आबादी वाले राज्यों के पक्ष में हो सकता है। अपने महत्वपूर्ण आर्थिक प्रतिनिधि अच्छे

उचित प्रतिनिधित्व से  
सिंग अस्ट्रेलिया

लए आधक आबादा वाले राज्यों का लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें अधिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ावे राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है। 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संकरण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को

संसद सदस्य मतदाताओं की ज़रूरतें को अधिक प्रभावी ढंग से सम्बोधित कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है।

बिहार का प्रतिनिधित्व

अभी भी 1971 के अँकड़ों पर आधारित है, बाबूजूद इसके बिना इसकी जनसंख्या में काफ़ी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना अँकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतात्रिक समानता का बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखण्ड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता के कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास सम्बंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत

जैसे राज्यों के लिए अधिक संख्या में सांसदों से बेहतर बुनियादी ढाँचा नियोजन और निवेश का बेहतर आवंटन हो सकता है। प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुकसान पहुँचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठेस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से होत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की ज़रूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है। यह राजनीतिक पुनर्सरिखण वित्त आयोग द्वारा करों के आवंटन को प्रभावित कर सकता है, जो संभावित रूप से

इनपुत के बावजूद, तमिलनाडु और महाराष्ट्र कम प्रतिनिधित्व के कारण अपने राजकोषीय हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। केवल जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में वृद्धि उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है, जिससे क्षेत्रीय तनाव पैदा हो सकता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दल परिसीमन के खिलाफ हैं, उन्हें डर है कि अधिक हिन्दू भाषी आबादी वाले राज्यों को सत्ता का नुकसान होगा, जिससे राजनीतिक परिदृश्य और अधिक विखंडित हो सकता है। निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। राज्यसभा जैसा मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक

क्षेत्रीय संस्थान का उत्तराधिकार है। क्षेत्रीय संस्थान ने उत्तराधिकार का लक्ष्य क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है। 2031 की जनगणना के बाद एक ऋमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संकरण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संघावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए।

राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट के पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है।

इंदिरा गांधी ने असली कांग्रेस को पार्टी तोड़ कर खत्म किया था। वही नरेंद्र मोदी ने बिना कुछ किए ही भाजपा और संघ परिवार को अपने रंग में डाला है। सौ टका सत्ता आश्रित बना दिया है। ऐसोंवें, दिल्ली में मुख्यमंत्री के नए चेहरे के हवाले भाजपा के कुल नए अर्थ पर। भाजपा अब क्या है? दो, सिर्फ दो नेताओं के करिश्मे पर आश्रित पार्टी। एक, 74 वर्षीय नरेंद्र मोदी और दूसरे 52 वर्षीय योगी आदित्यनाथ। दोनों की उम्र में 22 वर्ष का फर्क। ऐसे में नरेंद्र मोदी यदि 2034 तक प्रधानमंत्री रहते हैं (कोई अनहोनी नहीं, मोरारजी देसाई 81 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे और 28 महीने पद पर रह कर 84 वर्ष की उम्र में रिटायर हुए थे) तब वे 84 साल के होंगे और योगी आदित्यनाथ 64 वर्ष के तब उनका विकल्प योगी को उत्तराधिकार सुपुर्द करने का होगा। यदि मोदी को इतने लंबे समय तक राज करना है तो मेरा मानना है कि वे उत्तर प्रदेश और हिंदू भाषी भक्तों के लिए योगी को लगातार मुख्यमंत्री बनाए रखेंगे। यह भारतीय राजनीति का नया कीर्तिमान होगा। साथ ही भारत के भविष्य का अकल्पनीय सिनेरियो भी। क्योंकि मोदी के हिंदुत्व और योगी के हिंदुत्व के तीस-चालीस साल में भारत अंदरूनी तौर पर जो बनेगा, वह छुपा नहीं रहना है। संभवतया यह सिनेरियो नामांकित लग रहा हो। तब जरा नई भाजपा पर गौर करें? सन् 2019 के बाद से आरएसएस को दरकिनार कर प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा का चेहरा, चरित्र ही बदल डाला है। भारत की पार्टियों और आजाद भारत का इतिहास है कि केंद्र सरकार की सत्ता तभी संभव है जब राष्ट्रीय चेरों की धूरी पर पार्टी का विकास हो। साथ ही क्षत्रियों की स्वयंभू ताकत पर पार्टी संगठित हो। जनसंघ-भाजपा के इतिहास में श्यामा प्रसाद, बलराज मधोक, वाजपेयी यदि धूरी थे तो उसकी पहली दिल्ली की सत्ता में लोकल नेताओं (पंजाबी तिकड़ी- मल्होत्रा, साहिनी, खुराना) का योगदान था। अटल बिहारी वाजपेयी से हिंदी प्रदेशों में गूंज थी तो साथ में भैरो सिंह शेखावत, शांता कुमार, मंगल सेन, माधवकात त्रिपाठी, कैलाशपति मिश्र, कैलाश जोशी, केशुभाई, जगनाथ राव जोशी, येदियुरप्पा, मनोहर पार्सिकर, कल्याण सिंह, प्रमोद महाजन की जातीय-लोकल क्षत्रिय राजनीति से भी जनसंघ-भाजपा की सत्ता सीढ़ियां बनी थी। संगठन के चेहरों में दीनदयाल उपाध्याय, नानाजी देशमुख, सुंदर सिंह भंडारी, कुशाभाऊ ठकरे, ललतकुमारी आद्याराणी आदि से मंगलन तो मर्गि श्री लेकिन जनभावना का।

201

इंदिरा गांधी ने असली कांग्रेस को पार्टी तोड़ कर खत्म किया था। वही नरेंद्र मोदी ने विधि विहार की शक्ति और संघ परिषद् को आपने पूरे में दबाकर

नादा न बिजा कुछ निए हो भाजपा जार सब परावार का अपना रो म डला है। सौ टका सत्ता आश्रित बना दिया है सोचें, दिल्ली में मुख्यमंत्री के नए चेहरे के हवाले भाजपा के कुल नए अर्थ पर। भाजपा अब क्या है? दो, सिर्फ दो नेताओं के करिश्मे पर आश्रित पार्टी। एक, 74 वर्षीय नरेंद्र मोदीवी है और दूसरे 52 वर्षीय योगी आदित्यनाथ देवेनों की उम्र में 22 वर्ष का फर्क। ऐसे में नरेंद्र मोदी यदि 2034 तक प्रधानमंत्री रहते हैं (कोई अनहोनी नहीं, मोरारजी देसाई 81 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे) और 28 महीने पद पर रह कर 84 वर्ष की उम्र में रिटायर हुए थे) तब वे 84 साल के होंगे और योगी आदित्यनाथ 64 वर्ष के। तब उनका विकल्प योगी को उत्तराधिकार सुपुर्द करने का होगा। यदि मोदी को इतने लंबे समय तक राज करना है तो मेरा मानना है कि वे उत्तर प्रदेश और हिंदू भाषी भक्तों के लिए योगी को लगातार मुख्यमंत्री बनाए रखेंगे। यह भारतीय राजनीति का नया कीर्तिमान होगा। साथ ही भारत के भविष्य का अकल्पनीय सिनेरियो भी। क्योंकि मोदी के हिंदुत्व और योगी के हिंदुत्व के तीस-चालीस साल में भारत अंदरूनी तौर पर जो बनेगा, वह छुपा नहीं रहना है। संभवतया यह सिनेरियो नामकिन लग रहा हो। तब जरा नई भाजपा पर गौर करें? सन् 2019 के बाद से आरएसएस को दरकिनार कर प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा का चेहरा, चरित्र ही बदल डाला है। भारत की पार्टियों और आजाद भारत का इतिहास है कि केंद्र सरकार की सत्ता तभी संभव है जब राष्ट्रीय चेहरों की धूरी पर पार्टी का विकास हो। साथ ही क्षत्रियों की स्वयंभू ताकत पर पार्टी संगठित हो। जनसंघ-भाजपा के इतिहास में श्यामा प्रसाद, बलराज मधोक, वाजपेयी यदि धूरी थे तो उसकी पहली दिल्ली की सत्ता में लोकल नेताओं (पंजाबी तिकड़ी- मल्होत्रा, साहनी, खुराना) का योगदान था। अटल बिहारी वाजपेयी से हिंदी प्रदेशों में गूंज थी तो साथ में भैरो सिंह शेखावत, शांता कुमार, मंगल सेन, माधवकात त्रिपाठी, कैलाशपति मिश्र, कैलाश जोशी, केशुर्भाई, जगनाथ राव जोशी, येदियुरप्पा, मनोहर पार्सिकर, कल्याण सिंह, प्रमोद महाजन की जातीय-लोकल क्षत्रिय राजनीति से भी जनसंघ-भाजपा की सत्ता सीढ़ियां बनी थी। संगठन के चेहरों में दीनदयाल उपाध्याय, नानाजी देशमुख, सुंदर सिंह भंडारी, कुशाभाऊ ठाकरे, लालकिशा आद्यारप्पी आदि से संगठन को मर्दि श्री लेलित जनभावना का

राशिफल

	<b>मेष</b>	आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपके व्यापार में लाभ के योग हैं। साथ में साइड बिजेनेस कर सकते हैं, जिससे लाभ होने की संभावना बनेगी। नौकरी पेशा लोगों को नए अवसर मिलेंगे। जिन लोगों को पॉलिटिक्स में मैं रुचि है, उन्हें बड़ा पद प्राप्त हो सकता है। आज समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आपका पारिवारिक वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा।
	<b>वृष</b>	आज आपका दिन भाग्यशाली रहेगा। कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्याओं का समाधान मिलेगा। नौकरी में मनपसंद जगह ट्रांसफर हो सकता है। आज आपके व्यापार में ग्रोथ की संभावना है। आपकी सभी योजनाएं कामयाब रहेंगी। आप इस दौरान बड़ा निर्णय सोच समझकर लें, अच्छा रहेगा परिवार वालों की भी राय ले लें। आपका दांपत्य जीवन बढ़िया रहेगा।
	<b>मिथुन</b>	आज आपका दिन सुखद रहने वाला है। आपके लिए जमीन या मकान खरीदने के संयोग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आप मनचाहा लाभ प्राप्त करेंगे। आज आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। आपको माता पिता और परिवार के अन्य सदस्यों का पूरा साथ मिलेगा। आज आपको किसी निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ होगा।
	<b>कर्क</b>	आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला होगा। नई नौकरी मिलने की संभावना है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को मनचाहे परिणाम मिलने की उमीद है। वैवाहिक जीवन में खुशियां आएंगी, कहीं डिनर पर जाएंगे। इस दौरान किसी प्रकार के तरक्कि से बचें। आप परिवार के साथ समय बिताने की कोशिश करेंगे।
	<b>सिंह</b>	आज आपका दिन बेहतर रहेगा। सरकारी जॉब कर रहे लोगों को प्रमोशन के चांसेस हैं। अच्छे पद पर कहीं ट्रांसफर के योग बने हुए हैं। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र किसी प्रोजेक्ट पर काम करेंगे, कुछ नया सीखने को मिलेगा। आप संपत्ति खरीदने का मन बना सकते हैं। आपको अधिक धन लाभ के योग हैं।
	<b>कन्या</b>	आपके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में आपके अनुकूल माहौल बना रहेगा। उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की प्रतीक्षा कर रहे छात्रों को उचित अवसर मिलेंगे। आप अपनी टीम के अच्छे लौटर के रूप में उभर कर सामने आएंगे। आपके किसी स्टार्टअप की योजना सफल रहेगी। आप अपने परिवार के साथ समय बिताएंगे।



 <b>तुला</b>	आज आपका दिन लाभदार्इ रहेगा। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। आपके रुपे हुए कार्यों की गति बढ़ेगी। सोची हुई योजनाओं में सफलता मिलने के संकेत हैं। आप अपने भाई बहनों के साथ किसी दर्शनीय स्थल पर जा सकते हैं। अचानक किसी अति प्रिय रिश्तेदार या मित्र से मुलाकात होगी। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
 <b>वृश्चिक</b>	आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। आपके रुपे हुए कार्यों की गति बढ़ेगी। सोची हुई योजनाओं में सफलता मिलने के संकेत हैं। आप अपने भाई बहनों के साथ किसी दर्शनीय स्थल पर जा सकते हैं। अचानक किसी अति प्रिय रिश्तेदार या मित्र से मुलाकात होगी। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
 <b>धनु</b>	आपके लिए बदलाव लाने वाला दिन है। आपके कार्यों की कार्यस्थल पर सराहना होगी। आज आप किसी से भी उलझने बचें। आप अपने माता-पिता के साथ किसी आध्यात्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आपका रुझान दर्शनिक व्यक्तियों की ओर बढ़ेगा। आप स्वास्थ्य को लेकर सावधानी बरतें। नियमित हेल्थ की जांच कराते रहें।
 <b>मकर</b>	आज आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपका व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करेगा। सिनेमा जगत से जुड़े लोगों को अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि मिलने के योग बने हुए हैं। कार्यस्थल पर आपका उत्साह बढ़ेगा। आज आप वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को किसी कार्य के लिए सम्मानित किया जा सकता है।
 <b>कुम्भ</b>	आपके लिए आज का दिन शुभ फलदार्इ साबित होगा। बिजनेस में नये काम के अवसर प्राप्त होंगे। यात्राओं से लाभ मिलने के संकेत हैं। आज आपको नौकरी बदलने का प्रस्ताव मिल सकता है। शोध करने वाले जो जातक विदेश जाकर काम करना चाहते हैं, उनको उचित अवसर मिलेंगे। आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।
 <b>मीन</b>	आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ पिक्निक के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। घर के अन्य सदस्यों के साथ आपकी अच्छी बाँट्डग बनेगी। व्यापारियों के लिए लाभ के योग हैं। कार्यस्थल पर सहकर्मी आज आपसे सीखना चाहेंगे।





## चित्रकूट/कौशांबी/मिर्जापुर/बांदा

## जनपद स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई

लोकमित्र से

मौरजापुर। आगामी होलिका दहन वर्ष भरी होली के त्योहार को शान्तिपूर्ण महाल में सम्पन्न करने की हुई से जिलाधिकारी प्रियंका निरजन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सेमन बर्मा ने कलेक्टर सभागार में जनपद के सभी थानों/तहसीलों के विभिन्न धर्म गुरुओं, गणमान नगरिकों व सम्बन्धित अधिकारियों के साथ जनपद स्तरीय पीस कर्मों की बैठक कर होली के त्योहार को अपसी सौहार्द से मनाए जाने की अपील की गई। बैठक में जनपद के सभी थानों के विभिन्न स्थानों पर स्थापित होने वाली एक-एक होलिका स्थल की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी उप जिला माज़स्ट्रेटों व उप पुलिस अधीक्षकों को निर्देश करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करें ताकि जिन क्षेत्रों में विषाणु वर्ष में होलिका दहन वर्ष राखने को लेकर विवाद के कारण मुकदमे हुए हैं ऐसे सम्बन्धित क्षेत्रों व लोगों पर कड़ी नजर बनाए रखें तथा मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों सहित अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहें जिससे कहीं भी किसी प्रकार का घटना होने की सम्भावना न होने पाए। सभी थानाध्यक्ष भी निर्देशित किए गए अपने-अपने क्षेत्रों में प्रत्येक होलिका दहन स्थलों का एक बार पुनः भ्रमण कर सम्बन्धित ग्राम



प्रधान, जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं लेखायल के साथ बैठक कर ले। यह निर्देशित किया गया कि सभी लेखायल, अमीन अपने-अपने क्षेत्रों में रहे होने वाले डीजे का सार्डड तेज ध्वनि न होकर निर्धारित मानक प्रशासन को हो सके। उन्होंने कहा कि सभी थानाध्यक्ष, उप जिलाधिकारी व लोगों पर इसे क्षेत्रीय क्षेत्रों व लोगों पर इसे क्षेत्रीय क्षेत्रों में भ्रमणशील रहें जिससे कहीं भी किसी प्रकार का घटना होने की सम्भावना न होने पाए। सभी थानाध्यक्ष भी निर्देशित किए गए अपने-अपने क्षेत्रों में प्रत्येक होलिका दहन स्थलों का एक बार पुनः भ्रमण कर सम्बन्धित ग्राम

जाएगा। किसी भी जुलूस में अस्त्र शस्त्र का प्रदर्शन किसी के द्वारा नहीं किया जाएगा यदि ऐसा कहीं पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जुलूस में शमिल होने वाले डीजे का सार्डड तेज ध्वनि न होकर निर्धारित मानक के अन्दर ही बजाया जाए तथा डीजे में किसी भी असलील गीतों को न बजाया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शरारीर को सुना तथा उनके समाधान हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया विद्युत विभाग के अधिकारियों से अनवरत विद्युत आपूर्ति बनाए से अनवरत विद्युत आपूर्ति बनाए रखने तथा डीजे तारों को अपराध करने के लिए विदेश दिया। नगरपालिका विभाग के अधिकारी ने कहा कि विद्युत विभाग के अधिकारियों को अपराध करने के लिए विदेश दिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि शरारीर को अपने वालों के बातों को सुना तथा उनके समाधान हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया विद्युत विभाग के अधिकारियों से अनवरत विद्युत आपूर्ति बनाए से अनवरत विद्युत आपूर्ति बनाए रखने तथा डीजे तारों को अपराध करने के लिए विदेश दिया। नगरपालिका विभाग के अधिकारी ने कहा कि विद्युत विभाग के अधिकारियों को अपराध करने के लिए विदेश दिया।

जिलाधिकारी

ने कहा

कि

विदेश

दिया

जाएगा।

जिलाधिकारी

ने कहा

कि



# कार्यालय नगर पंचायत डेरवा बाजार, जनपद-प्रतापगढ़

पत्रांक : 585/न०प०डे०बा०/2024-25

दिनांक 04.03.2025

## उपविधि

नगर पंचायत डेरवा बाजार जनपद प्रतापगढ़ में उ०प्र० नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 (2) के शीर्षक (ए) (बी) (सी) तथा जे०डी० एवं धारा 212क के अधीन अधिकारों का प्रयोग करके अपनी सीमा के बाहर 5 किलोमीटर की परिधि में भवन निर्माण उपविधि बनाई है। जिसका नगर पंचायत डेरवा बाजार बोर्ड प्रस्ताव संख्या-06 दिनांक-12.08.2024 के आलोक्य में तैयार उपरोक्त उपविधि दर या अन्य सम्बन्ध में सूचना का प्रकाशन दिनांक-18.01.2025 को भवन निर्माण उपविधि का प्रकाशन हुआ था जिसमें सम्बन्धित व्यक्ति अपनी आपत्ति सुझाव नगर पंचायत डेरवा बाजार के कार्यालय में प्रकाशन की तिथि से 21 दिन के अन्दर प्राप्त करा सकता है जिसका नियमानुसार निस्तारण किया जायेगा परन्तु 21 दिन के बाद प्राप्त आपत्ति सुझाव पर कोई विचार नहीं किया जायेगा नियत तिथि तक कोई सुझाव/आपत्ति कार्यालय में किसी भी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है। पूर्व में प्रकाशित भवन निर्माण उपविधि को प्रभावी किये जाने के दृष्टिगत अन्तिम प्रकाशन की जाती है तथा नगर पंचायत डेरवा बाजार (प्रतापगढ़) उपविधि राजपत्र में प्रकाशन तिथि से प्रभावी मानी जायेगी।

1— संक्षिप्त नाम व विस्तार (1) यह उपविधि भवन एवं प्रोजेक्शन उपविधि, 2019, नगर पंचायत डेरवा बाजार, जनपद प्रतापगढ़ कहलायेगी।

(2) यह उपविधि उ०प्र० सरकार के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होगी।

1) 'भवन निर्माण' से तात्पर्य नगर पंचायत की सीमा के अन्दर होने वाले किसी भी भवन के नये निर्माण, पुनर्निर्माण वर्तमान भवन में परिवर्तन आदि से है तथा नगर पंचायत की सीमा के 5 कि०मी० बाहर तक लागू रहेगी।

(2) 'प्रोजेक्शन' से तात्पर्य नगर पंचायत की सीमा के अन्दर सार्वजनिक एवं सरकारी सड़क या नाली के ऊपर छज्जा या चबूतरा आदि के निर्माण से है।

(3) 'अधिशासी अधिकारी' से तात्पर्य नगर पंचायत में नियुक्त अधिशासी अधिकारी से है।

3—(1) नगर पंचायत के क्षेत्राधिकार के किसी भवन या उसके किसी स्थान में निर्माण, पुनर्निर्माण या उसमें सारावन परिवर्तन अथवा बड़ा करने के अभिप्राय से अथवा छज्जा या चबूतरा बनाने के अभिप्राय से व कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व आवेदक को धारा 178

(1) के अन्तर्गत नगर पंचायत को नोटिस देना होगा—

(क) प्रार्थी को स्वीकृति चाहने हेतु एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करना होगा जो कि रु० 10.00 के कोर्ट फीस स्टाम्प पेपर पर होगा।

(ख) इस प्रार्थना—पत्र के साथ प्रार्थी को दो मानचित्र प्रस्तुत करने होंगे। इन मानचित्रों में प्रस्तावित मकान का पूर्ण विवरण दिया जा जावेगा तथा यह भी दर्शाया जावेगा। कि बनाने से पूर्व भूमि की क्या दशा है और भूमि का कितना क्षेत्रफल है।

(ग) प्रार्थी इन मानचित्र के साथ एक प्रमाण—पत्र इस आशय का प्रस्तुत करेगा कि यह भूमि जहाँ निर्माण कार्य करना चाहता है उसका व्यौरा प्रस्तुत करेगा।

(घ) प्रार्थना—पत्र में निर्माण का विवरण देते हुए वह स्पष्ट करेगा कि वह मरम्मत या फेरवदल या ऊपरी भाग का पूर्ण नवनिर्माण करना चाहता है।

(च) जिस आर्किटेक्ट से नक्शा बनवायेगा, उसी से उस भवन का अनुमानित लागत का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करेगा।

(छ) नक्शा ग्राफ पेपर या ब्लू प्रिन्ट होंगे और दूसरा नक्शा जो नगर पंचायत डेरवा बाजार में रखा जायेगा, वह क्लाथ पेपर पर होगा। अन्य दस्तावेज जैसा पालिका अपेक्षा करें, जमा किया जायेगा।

(2) धारा 3(1) के अन्तर्गत दिये गये नोटिस के साथ नगर पंचायत के अवशेष करो एवं निश्चित किया गया शुल्क की रसीद लगाना अनिवार्य है इसके बिना नोटिस वैद्य नहीं होगा।

(3) भवन के निर्माण के लिए स्वीकृत जारी न किये जाने की दशा में अदा किया गया शुल्क वापस नहीं किया जायेगा।

(4) नगर पंचायत के क्षेत्राधिकार के अन्दर किसी भवन का निर्माण, पुनर्निर्माण या किसी भवन में या उसके किसी भाग में परिवर्तन या बढ़ाने या प्रोजेक्शन के नोटिस के साथ मानचित्र या सूचनायें दो प्रतियों में दी जायेगी, किन्तु प्रतिबन्ध यह है कि सार्वजनिक सड़कों तथा गलियों के सहनिकट दरवाजा या खिड़की खोलने के लिए मानचित्र की आवश्यकता नहीं है।

(5) प्रार्थना—पत्र के साथ प्रस्तावित स्थान का मानचित्र एक मीटर बराबर एक सेंटीमीटर के पैमाने से कम नहीं खींचा जायेगा और उसमें निम्नलिखित दर्शाया जायेगा।

(क) स्थल की सीमाये और उनकी माप सीमावर्ती भूमि जो उसके स्वमी की है।

(ख) भवन के सहनिकट की गलियों की चौड़ाई मौल्हलों का नाम, भवन की सीमायें प्रदर्शित होगी।

(ग) हर मंजिल का नक्शा शहर के सहनिकट खुलने वाले दरवाले तथा खिड़कियों आदि की स्थिति। (घ) नक्शों में नवीन निर्माण जिसके लिए प्रार्थना—पत्र दिया गया है लाल रंग से तथा पुराने भवन नीले रंग से दिखाया जायेगा।

(च) भवन के पास सरकारी बिजली की लाइन की क्षेत्रिज दूरी स्पष्ट रूप से मानचित्र पर अकित की जायेगी।

4— निर्माण की स्वीकृति धारा 180 के अन्तर्गत की जायेगी। प्रत्येक स्वीकृति छः माह तक वैद्य होगी। किन्तु प्रार्थी द्वारा समय बढ़ाने के प्रार्थना—पत्र पर मूल स्वीकृति से दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

5— यदि निर्माण की स्वीकृति दी जाने के उपरान्त नगर पंचायत की किसी समय यह सतुर्पि हो जाये कि किसी गलत सूचना के आधार पर अनुमति ली गई है तो नगर पंचायत अनुमति रद्द कर सकती है। इस प्रकार की अनुमति के अन्तर्गत किया गया कोई कार्य बिना अनुमति किया माना जायेगा।

6— अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी तथा इनके द्वारा अधिकृत सदस्य या कर्मचारी किसी भी समय स्वीकृति चाहने वाले कार्यों का निरीक्षण कर सकता है।

7— भवन निर्माण हेतु दी गई स्वीकृति का प्रभाव धारा 184 के अनुसार होगी।

8— चलचित्र भवन बनाने की अनुमति जिलामजिस्ट्रेट द्वारा दी गई अनुमति के पश्चात प्रदान की जायेगी।

9 भवन निर्माण हेतु नक्शे में प्रोजेक्शन एवं चबूतरे का विवरण स्पष्ट अंकित किया जायेगा। प्रोजेक्शन की स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों के साथ दी जायेगी।

(1) भवन के ऊपरा मंजिल से बालकनी, बरामदा, छज्जा या अन्य प्रक्षेप ऐसी सड़क के ऊपर नहीं बनाया जायेगा जिसकी चौड़ाई 12 फिट से कम हो।

(2) किसी भी प्रक्षेप की चौड़ाई 3 फिट से अधिक नहीं होगी किन्तु सड़क के धरातलसे प्रक्षेप की ऊचाई 12 फिट से कम नहीं होगी।

(3) यदि प्रस्तावित प्रक्षेप से बिजली की लाइन तक पहुँच सकना सम्भव होगा तो प्रक्षेप की अनुमति न दी जायेगी। जब तक बिजली की लाइन में परिवर्तन न हो जाय।

(4) प्रत्येक प्रक्षेप के लिए शुल्क अलग—अलग लिया जायेगा। यदि एक ही भवन में दो या अधिक मंजिलों पर प्रक्षेप बनत हैं तो शुल्क अलग—अलग लिया जायेगा।

10— अधिनियम की धारा 186 के अन्तर्गत निर्माण को रोकने तथा निर्माण किये गये भवन को गिराने का अधिकार इन उपविधियों में किसी बात के होते हुए भी होगा।

(1) इन उपविधियों की किसी बात से यह न समझा जायेगा कि वह सब सड़कों व नलियों के ऊपर अतिक्रमण तथा प्रक्षेपों को हटाने के लिए नगपालिका अधिनियम की धारा 211 के द्वारा नगर पंचायत को प्रदत्त किसी अधिकार को कम करती है, भले ही ऐसे अतिक्रमण तथा प्रक्षेपों के लिए स्वीकृति दे दी हो।

11— प्रस्तुत मानचित्र पर अधिशासी अधिकारी द्वारा धारा 180 एवं धारा 298 शीर्षक 'क' के उपर्योगित (ज) में निहित प्रावधानों के सम्बन्ध में एवं निर्माण की रीति अभीवियों, विमनियों, नालियों शौचालयों, संडासों, मूत्रालयों और मलकूप की स्थिति, वायु के निर्वाध संचरण को सुनिश्चित करने, आगे लगने की रोकथाम के लिये भवन के चारों ओर छोड़ा जाने वाला स्थान, मंजिलों की संख्या अन्य ऐसे विषय जिससे सतायन या स्वच्छता पर प्रभाव पड़ता हो, भवन के बाहर ग्रीन एरिया के अनुपाल, रेनवाटर, हार्डस्टिंग इत्यादि के सम्बन्ध में यथास्थक्य विचार किया जायेगा।

विषेष ध्यान रखा जायेगा कि भवन में आगन या वाटिका के लिए कुछ भूमि खाली छोड़ो लाये खाली भूमि के क्षेत्र का निर्धारण मौके की स्थिति को ध्यान में रखकर किया जायेगा। तदुपरान्त मानचित्र हेतु स्वीकृत अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी द्वारा प्रदान की जायेगी। 12—यदि मानचित्र अस्वीकृत किया जाता है तो पालिका द्वारा कारणों को दर्शाते हुए आपत्तियों को दुरुरत करने की अपेक्षा की जा सकती है। तदुपरान्त पुनः आवेदन किया जा सकता है। इस हेतु कोई आवेदन शुल्क नहीं लिया जायेगा। 13—आर्किटेक्ट के लिए रु० 10,000.00 (दस हजार रुपय) वार्षिक शुल्क लेकर ल



















